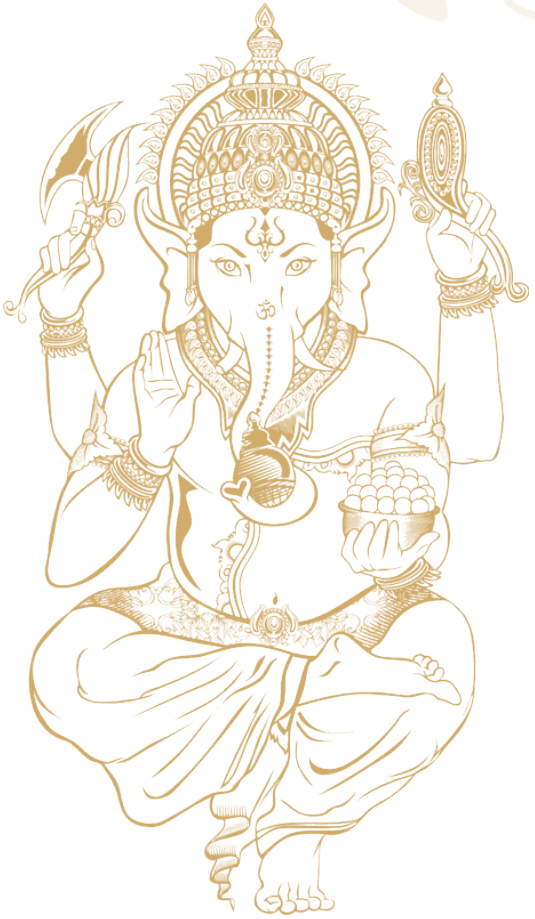

Harsh

10 Dec 2001

06:30 AM

Bhopal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121233402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**9-10/12/2001**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**06:30:00 घंटे**
इष्ट	59:09:06 घटी
स्थान	**Bhopal**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:17:00 उत्तर
रेखांश	77:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:09:52 घंटे
वेलान्तर	00:07:41 घंटे
साम्पातिक काल	11:25:12 घंटे
सूर्योदय	06:50:21 घंटे
सूर्यास्त	17:34:41 घंटे
दिनमान	10:44:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	24:08:52 वृश्चिक
लग्न के अंश	18:42:26 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सौभाग्य
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठाकुर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	18:42:26	317:23:06	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
सूर्य			वृश्चि	24:08:52	01:00:59	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	23:11:54	14:03:14	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	06:56:39	00:43:43	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	27:00:06	01:34:18	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	19:35:04	00:06:41	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	15:38:52	01:15:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि	व		वृष	17:04:23	00:04:52	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	03:19:18	00:00:54	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	03:19:18	00:00:54	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष			मक	27:42:11	00:01:58	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:52:38	00:01:39	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:20:03	00:02:19	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	26:38:50	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:45

लग्न-चलित

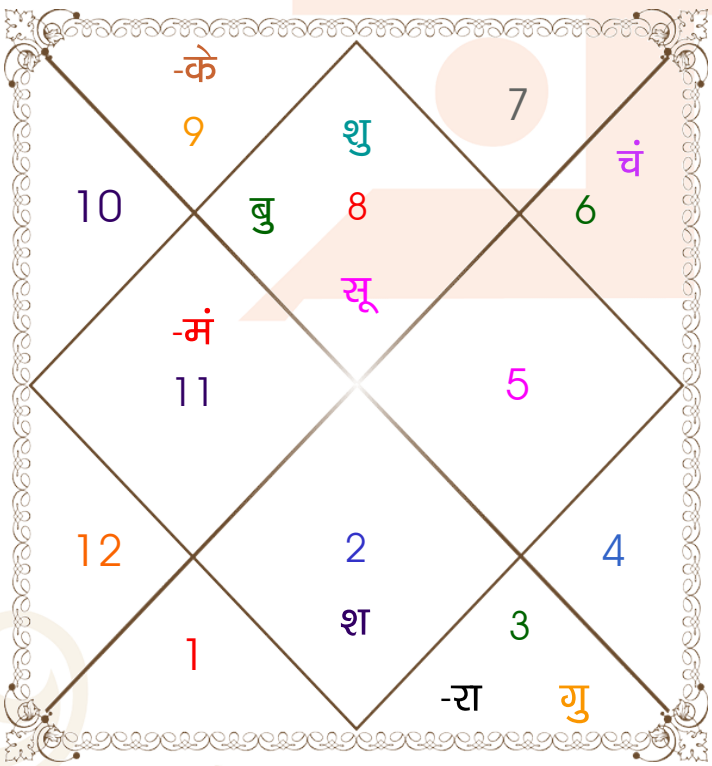

चन्द्र कुंडली

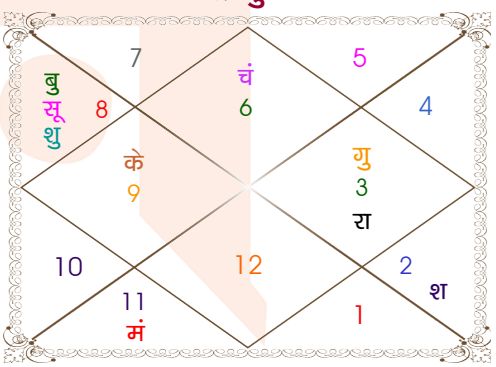

नवमांश कुंडली

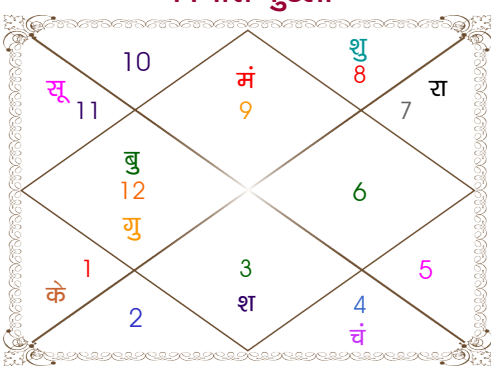

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 1 मास 6 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
10/12/2001		16/01/2002		16/01/2009		16/01/2027		16/01/2043	
16/01/2002		16/01/2009		16/01/2027		16/01/2043		16/01/2062	
	00/00/0000	मंगल	14/06/2002	राहु	29/09/2011	गुरु	05/03/2029	शनि	19/01/2046
	00/00/0000	राहु	02/07/2003	गुरु	21/02/2014	शनि	17/09/2031	बुध	28/09/2048
	00/00/0000	गुरु	07/06/2004	शनि	28/12/2016	बुध	22/12/2033	केतु	07/11/2049
	00/00/0000	शनि	17/07/2005	बुध	18/07/2019	केतु	28/11/2034	शुक्र	06/01/2053
	00/00/0000	बुध	14/07/2006	केतु	04/08/2020	शुक्र	29/07/2037	सूर्य	19/12/2053
	00/00/0000	केतु	10/12/2006	शुक्र	05/08/2023	सूर्य	18/05/2038	चंद्र	21/07/2055
	00/00/0000	शुक्र	10/02/2008	सूर्य	29/06/2024	चंद्र	17/09/2039	मंगल	28/08/2056
	10/12/2001	सूर्य	16/06/2008	चंद्र	28/12/2025	मंगल	22/08/2040	राहु	05/07/2059
सूर्य	16/01/2002	चंद्र	16/01/2009	मंगल	16/01/2027	राहु	16/01/2043	गुरु	16/01/2062

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/01/2062		16/01/2079		16/01/2086		17/01/2106		17/01/2112	
16/01/2079		16/01/2086		17/01/2106		17/01/2112		11/12/2121	
बुध	13/06/2064	केतु	14/06/2079	शुक्र	17/05/2089	सूर्य	06/05/2106	चंद्र	17/11/2112
केतु	11/06/2065	शुक्र	13/08/2080	सूर्य	18/05/2090	चंद्र	05/11/2106	मंगल	18/06/2113
शुक्र	10/04/2068	सूर्य	19/12/2080	चंद्र	16/01/2092	मंगल	13/03/2107	राहु	18/12/2114
सूर्य	15/02/2069	चंद्र	20/07/2081	मंगल	17/03/2093	राहु	05/02/2108	गुरु	18/04/2116
चंद्र	17/07/2070	मंगल	16/12/2081	राहु	17/03/2096	गुरु	23/11/2108	शनि	17/11/2117
मंगल	15/07/2071	राहु	04/01/2083	गुरु	16/11/2098	शनि	05/11/2109	बुध	18/04/2119
राहु	31/01/2074	गुरु	11/12/2083	शनि	17/01/2102	बुध	11/09/2110	केतु	17/11/2119
गुरु	08/05/2076	शनि	19/01/2085	बुध	17/11/2104	केतु	17/01/2111	शुक्र	18/07/2121
शनि	16/01/2079	बुध	16/01/2086	केतु	17/01/2106	शुक्र	17/01/2112	सूर्य	11/12/2121

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 1 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।